विनीत नायर

संस्थापक, सम्पर्क फाउंडेशन
पूर्व सी.ई.ओ, एच.सी.एल. टेक्नोलॉजी

विनीत नायर सम्पर्क फाउंडेशन के संस्थापक हैं। एच.सी.एल. टेक्नोलॉजी के पूर्व सी.ई.ओ. रह चुके हैं। विनीत मैनेजमेंट (प्रबंधन) के क्षेत्र में बहु प्रशंसित किताब "एम्प्लॉई फर्स्ट, कस्टमर सेकंड–टर्निंग मैनेजमेंट अपसाईड डाउन" (हार्वर्ड बिज़नेस प्रेस द्वारा प्रकाशित) के लेखक भी हैं।

प्रबंधन के क्षेत्र में क्रन्तिकारी परिवर्तन लाने के लिए चर्चित विनीत अपनी दूरदर्शिता के लिए जाने जाते हैं। इसी दूरदर्शिता का परिणाम है कि उन्होंने एच.सी.एल. को कुछ ही वर्षों में भारत ही नहीं बल्कि विश्व के सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र के सबसे तेजी से विकास करने वाले उपक्रम में बदल दिया। जो कंपनी 2005 में 0.7 बिलियन डॉलर की थी वह 2013 आते आते 32 देशों में 85,000 कर्मचारियों के साथ 4.7 बिलियन डॉलर की कंपनी के रूप में परिवर्तित हो चुकी थी। यह एक क्रांतिकारी बदलाव था जिसकी तरफ विश्व भर का ध्यान आकर्षित हुआ। फलस्वरूप जहाँ एक ओर फार्च्यून पत्रिका ने इसके महत्त्व को समझते हुए एच.सी.एल.टी. को 'विश्व का आधुनिकतम प्रबंधन' के रूप में पहचाना वहीं 'बिज़नेस वीक' ने इसे 'विश्व की सबसे प्रभावशाली कंपनी' के रूप में नामित किया। एच.सी.एल.टी. के इन अभिनव प्रबंधन तकनीकों को लंदन स्कूल ऑफ़ बिज़नेस और हार्वर्ड स्कूल ऑफ़ बिज़नेस से भी मान्यता मिली जहाँ यह एक केस स्टडी के रूप में पढ़ाया जाता है।

कंपनी में ऐसा क्रांतिकारी परिवर्तन लाने के लिए फॉर्च्यून पत्रिका ने अपने पहले ग्लोबल एग्जीक्यूटिव ड्रीम टीम में उन्हें जगह दी और 50 विशिष्ट विचारकों की सूची में भी शामिल किया। संगठन में बदलाव लाने के उनके विचारों के प्रमुख प्रशंसकों में स्वर्गीय सी. आर. प्रह्लाद, टॉम पीटर्स, गैरी हैमेल और राम चरण जैसे प्रभावशाली लोग शामिल हैं।

2013 में एच.सी.एल.टी. के सी.ई.ओ. के पद से इस्तीफ़ा देकर अपनी पत्नी अनुपमा नायर के साथ उन्होंने सम्पर्क फाउंडेशन की स्थापना की। लक्ष्य बस एक ही था –किफायती नवाचारों के माध्यम से प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन लाने की दिशा में अग्रसर होना। वर्तमान में सम्पर्क सालाना 1 डॉलर प्रति बच्चे की दर पर झारखंड, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश जैसे 6 राज्यों के 76000 हजार स्कूलों में पढ़ रहे 7 लाख बच्चों के दक्षता के स्तर में उल्लेखनीय बदलाव ला रहा है। प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में इतना व्यापक बदलाव लानेवाला सम्पर्क का यह प्रोग्राम हार्वर्ड बिज़नेस स्कूल की एक केस स्टडी है।

विनीत को फोर्ब्स पत्रिका ने अपनी 'हीरोज ऑफ़ फिलांथ्रॉपी लिस्ट 2016' में 'नवाचार आधारित व्यापक सामाजिक परिवर्तन' के प्रणेता के रूप में नामित किया। फॉरेन पॉलिसी नामक पत्रिका ने बच्चों के सीखने के लिए तकनीक के क्षेत्र में किये गए इनके नवाचारी प्रयोगों के लिए इन्हे और इनकी पत्नी अनुपमा नायर को 'ग्लोबल थिंकर 2016' के ख़िताब से नवाज़ा।

1985 में एक्स.एल.आर.आई. से एम.बी.ए. करने के बाद एच.सी.एल. से उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की। 1993 में उन्होंने अपना स्टार्ट अप कॉमनेट स्थापित किया जहाँ उन्होंने अपनी किताब में वर्णित बहुत सारी रणनीतियों और विचारों को अमली जामा पहनाते हुए उसे एक अरबों डॉलर के व्यवसाय में तब्दील कर दिया।

2005 में वे एच.सी.एल. के अध्यक्ष (प्रेसिडेंट) बने और 2007 में सी.ई.ओ. का पदभार ग्रहण किया जहाँ आने वाले पांच वर्षों में उनके नेतृत्व में कंपनी का कायाकल्प हुआ और वह विश्व की बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों में शुमार हो गई। विनीत वर्तमान में मैकिन्से लीडरशिप इंस्टीट्यूट और फॉर्च्यून 1000 कंपनियों के वरिष्ठ सलाहकार के रूप में कार्य करते हैं। वह ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधान मंत्री जूलिया गिलार्ड के नेतृत्व में 'मिलियंस लर्निंग प्रोजेक्ट' परियोजना के सलाहकार बोर्ड में भी हैं। वर्ल्ड इकनोमिक फोरम में भी उन्होंने आईसीटी के गवर्नर के रूप में अपनी सेवाएं दी हैं। यही नहीं वहां वे 'वीमेन लीडर्स एंड जेंडर पैरिटी प्रोग्राम' के वैश्विक सलाहकार मंडल के भी सदस्य रह चुके हैं। तकनीक आधारित कई स्टार्ट अप कंपनियों के मेंटर के रूप में वे पारम्परिक प्रबंधन रणनीतियों में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने के अपने जुनून को अब भी जारी रखे हुए हैं।